IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 3, November 2022
Impact Factor: 6.252

महिला सशक्तिकरण विकास का अध्ययन

चांदनी मिश्रा and डॉ. रत्नेश्वर दुबे
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

सारांश: प्राचीन काल में भारतीय नारी को उच्च स्थान प्राप्त था। बाद में महिलाओं की सामाजिक स्थिति में गिरावट आने लगी उसे परतंत्र व निर्बल बना दिया गया। महिलाओं में उद्यमिता का विकास हो वोसमाज में आगे बढ़े तथा महिलाएं सशक्त हो इसके लिए यह जरूरी है कि उनमें आर्थिक चेतना एवं उनके प्रति जागरूकता हो तभी वह एक सफल उद्यमी के रूप में सामने आ सकती हैं। महिला सशक्तिकरण के विकास से महिलाओं में आर्थिक निर्भरता आएगी।

मुख्य शब्द: रीवा जिला, महिला सशक्तिकरण, विकास नीति, उद्योग कार्यक्रम

संदर्भ सूची:-

[1]. डॉ आर एन त्रिवेदी"रिसर्च मेथाडोलॉजी"।

[2]. के प्रसाद लोकेश "अनुसंधान पद्धति शास्त्र"(क्या क्यों और कैसे) वर्ष 2008,कांथेरीबुक्स नई दिल्ली, 110002।

[3]. उद्योग व्यापार केंद्र रीवा 2017 ।

[4]. औद्योगिक मार्गदर्शिका- जिला उद्योग केंद्र वाराणसी ।

[5]. स्वरोजगार मार्गदर्शिका द्वितीय संस्करण उद्यमिता विकास केंद्र मध्य प्रदेश 60 जेल रोड जहांगीराबाद भोपाल 1999 ।